हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 108 देहरादून, शुक्रवार, 14 अक्टूबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

विवादित बयान पर आखिरकार बंशीधर भगत ने कहा 'आई एम सॉरी' 3

दलगत राजनीति छोड़िये, विकास योजनाओं के प्रस्ताव दीजिये, मुख्यमंत्री धामी की पहल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 13 अक्टूबर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के सभी विधायकगणो से अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र की व्यापक जनहित से जुड़ी 10 औचित्यपूर्ण आवश्यक विकास योजनाओं के प्रस्ताव प्राथमिकता के क्रम में तैयार करते हुए उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है।

उत्तराखण्ड में एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि 21 वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखण्ड राज्य का दशक होगा। इसी क्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार विकल्प रहित संकल्प के साथ काम कर रही है।

उत्तराखण्ड में प्रत्येक क्षेत्र का योजनाबद्ध एवं चरणबद्ध रूप से विकास किये जाने की दृष्टि से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मूल मंत्र "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास" के तहत पार्टी सीमा से उपर उठकर उत्तराखण्ड राज्य के विकास में सभी विधायकगणो से सहयोग का अनुरोध करते हुए पत्र जारी किया है। पत्र में अनुरोध किया है कि अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र की व्यापक जनहित से जुड़ी 10 औचित्यपूर्ण आवश्यक विकास योजनाओं के प्रस्ताव प्राथमिकता के क्रम में तैयार करते हुए उपलब्ध करायें, ताकि शासन स्तर पर राज्य के आर्थिक संसाधनों के समुचित प्रबन्धन के साथ प्रस्तावित योजनाओं की प्राथमिकता, उपयुक्तता एवं जन सरोकारों में आने वाले प्रभावों के सम्बन्ध में क्षेत्रीय विधायक गणों से विमर्श करते हुए योजनाओं को प्राथमिकता के क्रम में चरणबद्ध एवं समयबद्ध रूप मूर्त रूप दिया जा सके।

राज्य गठन के बाद धामी पहले मुख्यमंत्री है जिनके द्वारा राज्य के हर क्षेत्र का समान रूप से विकास किये जाने के लिए प्रत्येक विधायक से चाहे वह किसी भी दल से जुड़ा क्यों न हो, से क्षेत्र की आवश्यकता और जनहित की दृष्टि से विकास योजनाओं के प्रस्ताव आमंत्रित किये हैं। मुख्यमंत्री धामी का यह कदम राज्य गठन की 25वीं वर्षगांठ तक उत्तराखण्ड राज्य को श्रेष्ठतम राज्य बनाने के संकल्प पूर्ति में मील का पत्थर साबित होगा।

उधमसिंह नगर में 12 नवम्बर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन : एसके पाठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूद्रपुर, 13 अक्टूबर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से प्राप्त निर्देशों के क्रम में जिला न्यायालय सहित बाह्य न्यायालय काशीपुर, जसपुर, बाजपुर, सितारगंज, खटीमा, किच्छा में 12 नवम्बर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं सिविल जज सीनियर डिवीजन एसके पाठक ने बताया कि 12 नवम्बर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन के अन्तर्गत भरण पोषण, धारा 138 एनआई एक्ट, धन वसूली, श्रम विवाद, विद्युत व जलकर बिल, आपराधिक शमनीय मामले व सिविल मामलों का निस्तारण किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि प्री-लिटिगेशन के मामलों के अतिरिक्त न्यायालयों में लम्बित शमनीय प्रकृति के आपराधिक वाद, धन वसूली, श्रम वाद, वैवाहिक मामले (तलाक को छोड़कर), भुगतान व भत्तों से सम्बन्धित सर्विस के मामले, धारा 138 एनआई एक्ट के वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, विद्युत व जलकर से सम्बन्धि तमामले, भूमि अधिग्रहण के मामले, जिला न्यायालय में लम्बित राजस्व वाद के अलावा अन्य मामलों- किरायेदारी, सुखाधिकार, व्यादेश आदि मामलों का निस्तारण किया जायेगा।

एसके पाठक ने बताया कि जो भी व्यक्ति अपने मामले को राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित करवाना चाहते हैं, वह किसी भी कार्य दिवस में सम्बन्धित न्यायालय में स्वयं या अधिवक्ता के माध्मय से आवेदन कर अपने मामले को नियत करवा सकते हैं या एडीआर केन्द्र रूद्रपुर में स्वयं अथवा अधिवक्ता के जरिये अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अधिक जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की हैल्प डेस्क के मोबाइल नम्बर 9411531449 या दूरभाष नम्बर 05944-250682 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

बद्रीनाथ में उद्योगपति मुकेश अंबानी ने लगाया ध्यान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बद्रीनाथ, 13 अक्टूबर। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन और एमडी मुकेश अंबानी ने बद्रीनाथ और केदारनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की. भारत के जाने-माने उद्योगपति मुकेश अंबानी हर वर्ष की भांति इस साल भी भगवान बद्री विशाल के विशेष दर्शन के लिए बद्रीनाथ धाम पहुंचे. उन्होंने भगवान बद्री विशाल की विशेष पूजा-अर्चना की और देश की खुशहाली की कामना की.

इसके बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी केदारनाथ धाम भी गए और पूजा-अर्चना की. उन्होंने बद्रीनाथ और केदारनाथ को ढाई-ढाई करोड़ रुपये का दान भी दिया. केदारनाथ पहुंचने पर मंदिर समिति ने उनका स्वागत किया.बद्रीनाथ धाम पहुंचने पर बीकेटीसी के उपाध्यक्ष किशोर पवार और मंदिर समिति के कर्मचारियों ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन का भव्य स्वागत किया.

इस दौरान भगवान बद्री विशाल के श्रृंगार में प्रयोग में लायी जाने वाली तुलसी की माला भी मुकेश अंबानी को भेंट स्वरूप दी गई. बद्रीनाथ मंदिर के सभा मंडल में पहुंचने के बाद मुकेश अंबानी ने आम श्रद्धालु की

भांति भगवान बद्री विशाल के दर्शन किए और मंदिर के गर्भगृह में कुछ देर ध्यान लगाया.बद्रीनाथ धाम के धर्म अधिकारी भुवन चंद्र उनियाल ने इस दौरान उद्योगपति मुकेश अंबानी की पूजा संपन्न कराई. मुकेश अंबानी बद्रीनाथ धाम के मुख्य पुजारी रावल जी से मिलने के लिए उनके आवास पर भी पहुंचे और उनका आशीर्वाद लिया.

अब कहाँ गए अंकिता को इंसाफ दिलाने वाले : उत्तराखंड कांग्रेस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 13 अक्टूबर। अंकिता हत्याकांड और कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत द्वारा हिंदू देवता पर दिए गए आपत्तिजनक बयान को लेकर उत्तराखंड कांग्रेस ने बीजेपी को घेरा है. अंकिता हत्याकांड के विरोध में कांग्रेस ने धामी सरकार का पुतला फूंका। इस दौरान कांग्रेसियों ने पूछा कि अंकिता भंडारी हत्याकांड पर भाजपा नेता चुप क्यों हैं?अंकिता भंडारी हत्याकांड और कांग्रेस प्रवक्ता गरिमा दसौनी के खिलाफ मामला दर्ज करने के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एश्ले हॉल चौक पर भाजपा सरकार का पुतला फूंका।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने बंशीधर भगत के हिंदू देवी-देवताओं के अपमान का भी विरोध किया। कांग्रेस महानगर अध्यक्ष जसविंदर सिंह गोगी ने कहा कि भाजपा की बातों और कामों में अंतर है। क्योंकि एक तरफ बीजेपी बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का अभियान चला रही है. वहीं अंकिता हत्याकांड जैसे जघन्य अपराध पर बीजेपी नेता चुप्पी साधे हुए हैं.उन्होंने कहा कि यह दिखाता है कि भाजपा में महिलाओं के लिए कितना सम्मान है। साथ ही उन्होंने कहा कि जिस तरह पूर्व कैबिनेट मंत्री बंशीधर भगत ने हिंदू देवी-देवताओं का अपमान किया है. ऐसे में देवभूमि उन्हें कभी माफ नहीं करने वाली है। जसविंदर गोगी ने कहा कि जिस तरह से कांग्रेस

प्रवक्ता गरिमा के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं. यह पुलिस प्रशासन की एकतरफा कार्रवाई को दर्शाता है। जिसका कांग्रेस पुरजोर विरोध करती है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जिस तरह से पुलिस प्रशासन ने कांग्रेस प्रवक्ता गरिमा दासोनी के खिलाफ एकतरफा कार्रवाई की है. यह ब्रिटिश शासन की यादें वापस लाता है। कांग्रेसियों ने नैतिक आधार पर मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के इस्तीफे की मांग की। वहीं, महानगर कांग्रेस कमेटी हरिद्वार ने चंद्राचार्य चौक पर भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस ने बीजेपी विधायक बंशीधर भगत का पुतला फूंका और विरोध दर्ज कराया. आपको बता दें कि बंशीधर भगत ने एक कार्यक्रम के दौरान हिंदू देवी-देवताओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिसे लेकर कांग्रेस नाराज है।

सावधान : वीडियो गेम से बच्चों में दिल के दौरे का खतरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

शोधकर्ताओं का कहना है कि अनियंत्रित हृदय संबंधी समस्याओं वाले युवाओं को सबसे अधिक जोखिम होता है यदि वे खेल खेलने से बहुत उत्साहित हो जाते हैं। एक अध्ययन में पाया गया है कि वीडियो गेम उन बच्चों में दिल के दौरे को ट्रिगर कर सकता है जिन्हें हृदय संबंधी समस्याओं का पता नहीं चला है।

कुछ बच्चे अनियमित दिल की धड़कन के साथ पैदा होते हैं जिन्हें कार्डिएक अतालता के रूप में जाना जाता है और जब तक स्कैन द्वारा पता नहीं लगाया जाता है, तब तक वे कभी नहीं जान सकते।यूके में लगभग दो मिलियन लोग ऐसी स्थिति में रहते हैं, और वे अपेक्षाकृत सामान्य जीवन जी सकते हैं। हालांकि, किसी भी बिंदु पर भड़क सकता है और गंभीर परिणाम हो सकता है, जैसे चेतना

की हानि, हृदय की गिरफ्तारी और संभावित मृत्यु। दिल की इन समस्याओं को पहले खेल खेलने वाले लोगों की अचानक मौत से जोड़ा गया है, लेकिन अब कंप्यूटर गेम के लिए एक लिंक भी देखा गया है।

वैज्ञानिकों ने कहा कि उत्साह, एड्रेनालाईन और भावनात्मक निवेश इस स्थिति को ट्रिगर कर सकते हैं। सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में हार्ट सेंटर फॉर चिल्ड्रेन के शोध ने विभिन्न अध्ययनों के आंकड़ों को देखा और लिंक पाया।अध्ययन के प्रमुख अन्वेषक डॉ क्लेयर लॉली ने समझायाः ₹वीडियो गेम कुछ बच्चों को अतालता की स्थिति के साथ एक गंभीर जोखिम का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। वे पूर्वनिर्धारित रोगियों में घातक हो सकते हैं, लेकिन अक्सर पहले से अपरिचित अतालता की स्थिति। ₹जो बच्चे इलेक्ट्रॉनिक गेमिंग के दौरान अचानक होश खो देते हैं, उनका मूल्यांकन हृदय विशेषज्ञ द्वारा किया जाना चाहिए क्योंकि यह हृदय की गंभीर समस्या का पहला संकेत हो सकता है।

विश्लेषण ने 22 मामलों की पहचान की जहां वीडियो गेम से बच्चों में चेतना का नुकसान हुआ, जिसमें बहु-खिलाड़ी युद्ध खेल घटना के समय खेला जाने वाला सबसे आम खेल था। शोधकर्ताओं का मानना था कि निष्क्रिय अंतर्निहित हृदय की स्थिति एड्रेनालाईन की भीड़ से शुरू होती है जो बच्चों को उनके द्वारा खेले जाने वाले उच्च-ऑक्टेन खेलों से मिलती है।

क्या आपको सर्दी-खांसी हो रही है? इस काढ़ा को बनाएं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जैसे ही सर्दियां आती हैं, भारत में हम में से कई लोग मौसम में बदलाव के साथ आने वाली खांसी और जुकाम को ठीक करने के लिए काढ़ा बनाते हैं। कड़ा मसालों, जड़ी-बूटियों और पत्तियों का एक प्राकृतिक मिश्रण है, जिसे हम सर्दी और फ्लू जैसे लक्षणों के लिए सबसे अच्छा उपाय मानते हैं। आयुर्वेद में पारंपरिक सर्दी और बुखार का कड़ा प्रतिरक्षा बनाने और मौसमी संक्रमणों को दूर रखने में मदद करने के लिए माना जाता है। यह जाना-माना घरेलु उपचार काउंटर पर मिलने वाली दवाओं के लोकप्रिय होने से बहुत पहले से पीढ़ी-दर-पीढ़ी सौंपे गए प्राचीन ज्ञान से लिया गया है।कड़ा के बारे में आप सभी को पता होना चाहिए - सर्दी और फ्लू के लिए सबसे अच्छा उपायःसर्दी और खांसी के लिए काढ़ा रसोई में मिलने वाली साधारण रोजमर्रा की सामग्री और कुछ जड़ी-बूटियों और पत्तियों से आसानी से बनाया जा सकता है, जिन्हें आसानी से पड़ोस से मंगवाया जा सकता है। काढ़ा बनाने के कई तरीके हैं। पारंपरिक सर्दी और बुखार के कड़ा की सामग्री इस बात पर निर्भर करती है कि स्थानीय रूप से क्या उपलब्ध है। वे इस बात पर भी निर्भर करते हैं कि कोई व्यक्ति किस प्रकार की बीमारी से राहत पाना चाहता है। भारत में, अधिकांश परिवारों की अपनी खांसी और सर्दी का कड़ा नुस्खा है, प्रत्येक दूसरे से थोड़ा अलग सामग्री और उनकी मात्रा में उपयोग किया जाता है।

कड़ा सामग्री - आप घर का बना इम्युनिटी बूस्टर ड्रिंक कैसे बनाते हैं?

काढ़ा बनाने के लिए आपको कुछ जड़ी-बूटियों और मसालों को इकट्ठा करना होगा। लौंग के साथ काली मिर्च इसके जीवाणुरोधी और एंटीबायोटिक गुणों के लिए डाली जाती है। साथ ही सर्दी-खांसी के लिए हमारा कड़ा

बनाने के लिए दालचीनी और हरी इलायची की फली की जरूरत होती है। हरी इलायची की फली में सूजन-रोधी गुण होते हैं और यह सांस की बीमारियों के लिए फायदेमंद होती है।

काली देसी तुलसी या पवित्र तुलसी ज्यादातर कड़ा व्यंजनों में मौजूद होती है और खांसी और सर्दी के लिए हमारा कड़ा बनाते समय आपको इस एंटी-वायरल और एंटी-फंगल जड़ी बूटी का उपयोग करना चाहिए। हम अमरूद के पत्ते (अमरुद) और एक अन्य दर्द निवारक और प्रतिरक्षा-बढ़ाने वाली सामग्री, अदरक भी मिलाते हैं, जो कि सूजन-रोधी भी है। इसके अलावा, हम रात में फूलने वाली चमेली के पत्तों (हिंदी में पारिजात या हर-श्रृंगार के रूप में जाना जाता है) और मुट्ठी भर मोरिंगा के पत्ते (सेहजन या मुरुंगक्कई - जो एक प्रसिद्ध सुपरफूड हैं और इसमें संतरे की तुलना में विटामिन सी की मात्रा 7 गुना अधिक होती है) मिलाते हैं।) गुड़ और शहद के साथ। अंतिम दो अवयव अपनी प्राकृतिक अच्छाई लाते हैं और इस थोड़े मजबूत स्वाद वाले अमृत में मिठास जोड़ने में मदद करते हैं।

सर्दी आ रही है! भारत में बर्फबारी देखनी है तो इधर जरूर आना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अभी तो अक्टूबर की शुरुआत है लेकिन उत्तरी और पश्चिमी भारत में कई जगहों पर बर्फबारी शुरू हो गई है मनाली, केदारनाथ, लाहौल-स्पीति और अन्य जिलों की चोटियां बर्फ से ढकी हुई हैं। दिल्ली, उत्तर प्रदेश और अन्य शहरों के कुछ हिस्सों में जहां भारी बारिश हो रही है, वहीं हिमालयी क्षेत्र के कई इलाके पहले से ही बर्फ से ढके हुए हैं।

उत्तरी और पश्चिमी भारतीयों के लिए, सर्दी आमतौर पर नवंबर में शुरू होती है, लेकिन मौसम में बदलाव और लगातार बारिश के कारण कई हिल स्टेशनों में तापमान में काफी गिरावट आई है और कुछ बर्फ से ढके हुए हैं। दिल्ली, उत्तर प्रदेश और अन्य शहरों के कुछ हिस्सों में जहां भारी बारिश हो रही है, वहीं हिमालयी क्षेत्र के कई इलाके पहले से ही बर्फ से ढके हुए हैं। अक्टूबर में कई जगहों पर बर्फबारी शुरू हो गई है। कुछ बर्फ से ढके पहाड़ देखना चाहते हैं? तो पढ़ते रहिये।

मनाली : बर्फीले पलायन के लिए अंतिम गंतव्य माने जाने वाले मनाली में हाल ही में बर्फबारी हुई है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले

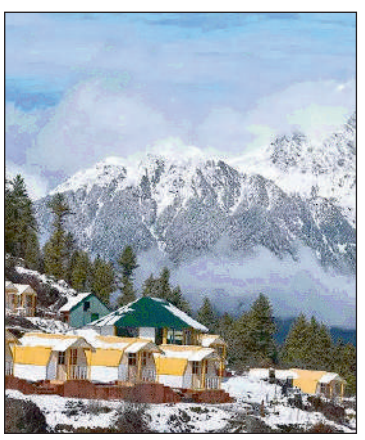

के रोहतांग दर्रे पर मंगलवार को ताजा हिमपात हुआ। मनाली के पास हिल स्टेशन पर पहली बार बर्फबारी हुई, जिससे दर्शकों का मनमोहक नजारा देखने को मिला। हालांकि डीएसपी मनाली ने पर्यटकों को अभी रोहतांग दर्रे पर जाने से बचने की सलाह दी है।

चमोली : उत्तराखंड के चमोली जिले में भारी हिमपात के कारण प्रसिद्ध गुरुद्वारा श्री हेमकुंड साहिब के कपाट बंद कर दिए गए। हालांकि, इससे श्रद्धालुओं के जोश में कोई कमी नहीं आई क्योंकि वे बर्फबारी के बीच मंदिर पहुंचते नजर आए। वहीं, चमोली जिले में पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश हो रही है।

पिथोरागढ़ : इस बीच, पिथौरागढ़ में भी रविवार को भारी बर्फबारी हुई, जिससे ऊपरी इलाकों में दो फीट तक हिमपात हुआ। सड़कों को भी अवरुद्ध कर दिया गया, जिससे निवासियों की दिनचर्या बाधित हो गई। लगातार हो रही बर्फबारी के कारण धारचूला कस्बे के कुछ हिस्सों में यातायात बंद कर दिया गया है।

भारत की शीर्ष एडटेक कंपनी बायजूज ने ग्रोथ के डर से 2,500 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला, मार्केटिंग खर्च में कटौती करेगा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कंपनी ने कहा कि BYJU के 50,000-मजबूत कार्यबल के लगभग पांच प्रतिशत को उत्पाद, सामग्री, मीडिया और प्रौद्योगिकी टीमों में चरणबद्ध तरीके से युक्तिसंगत बनाने की उम्मीद है, कंपनी ने कहाकंपनी ने एक बयान में कहा, दुनिया का सबसे मूल्यवान एडटेक स्टार्टअप, बढ़ते घाटे के बीच लागत में कटौती के लिए विभागों में लगभग 2,500 कर्मचारियों की छंटनी करेगा।बयान के अनुसार, ₹अतिरेक और भूमिकाओं के दोहराव से बचने के लिए, और प्रौद्योगिकी का बेहतर लाभ उठाकर, BYJU के 50,000-मजबूत कर्मचारियों में से लगभग पांच प्रतिशत को उत्पाद, सामग्री, मीडिया और प्रौद्योगिकी टीमों में चरणबद्ध तरीके से युक्तिसंगत बनाने की उम्मीद है।₹कंपनी ने यह भी कहा कि टॉपर, मेरिटनेशन, ट्यूटरविस्टा, स्कॉलर और

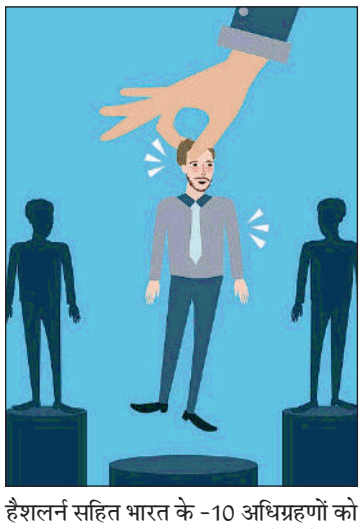

हैशलर्न सहित भारत के -10 अधिग्रहणों को एक एकल व्यावसायिक इकाई में समेकित किया जाएगा, जबकि आकाश और ग्रेट लर्निंग अलग-अलग संगठनों के रूप में कार्य

BYJU'S The Learning App

करना जारी रखेंगे।"एक परिपक्व संगठन के रूप में जो निवेशकों और हितधारकों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से लेता है, हमारा लक्ष्य मजबूत राजस्व वृद्धि के साथ-साथ सतत विकास सुनिश्चित करना है। इन उपायों से हमें मार्च 2023 की निर्धारित समय सीमा में लाभप्रदता हासिल करने में मदद मिलेगी।₹ मृणाल मोहित, सीईओ, बायजू'स इंडिया बिजनेस ने कहा। जून में, मनीकंट्रोल ने बताया कि एडटेक प्रमुख टॉपप्र, व्हाइटहैट जूनियर, और इसकी मुख्य टीम से बिक्री और विपणन, संचालन, सामग्री और डिजाइन टीमों के 2,500 पूर्णकालिक और संविदात्मक कर्मचारियों की छंटनी कर रहा था।

केदारनाथ की रुद्र गुफाएँ, ऊँचे पहाड़ों में ऐसा निवास जैसा कोई नहीं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 13 अक्टूबर। क्या आप प्रसिद्ध केदारनाथ मंदिर गए हैं? यदि हाँ, तो क्या आप भी मंदिर परिसर से मात्र एक किलोमीटर दूर रुद्र गुफाओं तक पहुंचे हैं? रुद्र गुफा वही रूद्र गुफा जिसको 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लोकप्रिय बनाया गया था, जब उन्होंने एक रात के लिए गुफा में ध्यान लगाया था।हर साल, मई के महीने से अक्टूबर के अंत तक, केदारनाथ, जो चार धाम यात्रा का एक हिस्सा है, आगंतुकों और तीर्थयात्रियों के लिए खुलता है। तीर्थयात्रियों और आगंतुकों की बड़ी संख्या कोई आश्चर्य की बात नहीं है।मंदिर परिसर से सिर्फ एक किलोमीटर दूर, नेहरू पर्वतारोहण संस्थान द्वारा गढ़वाल मंडल विकास निगम के गेस्ट हाउस श्रृंखला के एक भाग के रूप में निर्मित भूमिगत ध्यान गुफाएँ हैं। ये गुफाएं उन आगंतुकों के लिए खुली हैं जो ध्यान करने के लिए क्षेत्र में रहना चाहते हैं। वर्तमान में, तीन ध्यान गुफाएं हैं, जिनमें से एक ने 2019 में

सुर्खियां बटोरीं।रुद्र गुफा को ध्यान गुफा (ध्यान अर्थ ध्यान) के रूप में भी जाना जाता है। मंदाकिनी नदी के दूसरे छोर पर स्थित, गुफा एक बहुत ही शांतिपूर्ण वापसी प्रदान करती है, जो ध्यान के लिए उपयुक्त है। जो लोग अपने साथ कुछ समय की तलाश में हैं, पूर्ण अलगाव में, इन ध्यान गुफाओं का उपयोग कर सकते हैं जहां कोई केवल बुनियादी सुविधाओं से घिरा होगा।तो रुद्र गुफा में ऐसा क्या खास है? यह एकल-व्यक्ति आवास, कहीं के बीच में पत्थर की ध्यान गुफा किसी भी तरह से कोई विलासिता नहीं है। छोटा, लेकिन यह वाइब है, जैसा कि वे कहते हैं। इस छोटी पत्थर की गुफा में एक लकड़ी का दरवाजा और एक खिड़की है जो केदारनाथ और भैरवनाथ मंदिरों के सामने है। यह गुफा आवास बुनियादी सुविधाओं के साथ आता है जैसे गर्म बिस्तर के साथ सिंगल बेड, बहता पानी, संलग्न वॉशरूम, गीजर, हीटर, जीएमवीएन कर्मचारियों के साथ संचार के लिए सत्र पहल प्रोटोकॉल फोन और एक कॉलिंग बेल।इस साल अप्रैल में वापस, दो अतिरिक्त ध्यान गुफाओं को पेश किया गया था। ऐसी कुछ और गुफाएं पाइपलाइन में हैं। यह मत सोचिए कि आपका गुफा प्रवास कठिनाइयों से भरा होगा; प्रवास काफी आरामदायक है और GMVN गुफा में ठहरने के लिए बुनियादी भोजन की सुविधा प्रदान करता है। सुबह की चाय से लेकर रात के खाने तक, आपके पूरे दिन के भोजन का ध्यान GMVN द्वारा किया जाता है। यह INR 990 से INR 3000 प्रति रात तक ठहरने के साथ एक सुंदर बजट सौदा है। नाश्ता 70 रुपये प्रति प्लेट, और दोपहर और रात का खाना 130 रुपये प्रति प्लेट के लिए आता है।जब गुफाओं में से किसी एक में ठहरने की बात आती है तो कुछ अन्य चीजें होती हैं। आपका प्रवास कम से कम तीन दिन का होना चाहिए। गुफाओं की सीमित संख्या को देखते हुए अग्रिम बुकिंग की हमेशा अनुशंसा की जाती है! एक और आवश्यकता यह है कि आपको एक चिकित्सा जांच से गुजरना पड़ता है और केवल तभी जब आप चिकित्सकीय रूप से फिट होते हैं, तो क्या आपको गुफाओं में से एक में रहने की अनुमति दी जाएगी। कोई नहीं जानता कि इतनी ऊंचाई और ठंडा मौसम किस तरह की स्वास्थ्य संबंधी बीमारियां ला सकता है।

विवादित बयान पर आखिरकार बंशीधर भगत ने कहा 'आई एम सॉरी'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 13 अक्टूबर। उत्तराखंड के सबसे सीनियर विधायकों में शामिल पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत ने अपने उस बयान को लेकर माफी मांगी है जो बीते दो दिनों से बेहद विवादों में चल रहा है।

उन्होंने कहा कि उनका मकसद किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था. उनके बयान से अगर किसी भी भावना को ठेस पहुंची है तो वह अपने शब्द वापस लेते हैं. विधायक बंशीधर भगत ने कहा कि उन्होंने भगवान को प्रसन्न करने के लिए अपनी घरेलू भाषा में इस बात को कहा लेकिन यदि किसी के आत्मसम्मान और भावनाओं को ठेस पहुंची है तो वह अपने शब्द वापस लेते हैं और इसके लिए माफी भी मांगते हैं.

बता दें कि अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में कालाढूंगी से बीजेपी विधायक बंशीधर भगत (Kaladhungi MLA Banshidhar Bhagat) द्वारा हिंदू देवी देवताओं पर एक टिप्पणी की गई थी. जिसके बाद से उनके इस बयान को लेकर राजनीतिक दलों ने चौतरफ हमला करना शुरू कर दिया है. वहीं, कांग्रेस ने भी बंशीधर भगत से अपने बयान को लेकर माफी मांगने की बात कही गई थी.

डीएमसी ने देहरादून में 10,000 टैक्स बकाएदारों को भेजा नोटिस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 13 अक्टूबर। देहरादून नगर निगम (डीएमसी) ने अब तक शहर में 10,000 से अधिक व्यक्तिगत संपत्ति कर चूककर्ताओं की पहचान की है और उन्हें नोटिस जारी किया है।डीएमसी अधिकारियों ने कहा कि जांच अभी भी जारी है और अधिक वार्डों को कवर किया गया है, जल्द ही और अधिक चूककर्ताओं की पहचान की जा सकती है, अगर वे भुगतान करने में विफल रहते हैं, तो उन्हें दंडित किया जाएगा। जुर्माना बढ़ता जाएगा और कुछ चरम मामलों में संपत्तियों को सील किया जा सकता है।इस बीच, सरकारी विभागों पर संपत्ति करों में 16 करोड़ रुपये से अधिक का नागरिक निकाय बकाया है और भले ही डीएमसी ने उन्हें नोटिस भेजा है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। कई सरकारी विभाग जैसे लोक निर्माण विभाग, भारतीय सर्वेक्षण, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून पुलिस विभाग और अन्य 2016 से डीएमसी को करों का भुगतान करते हैं।अधिकारियों ने कहा कि विधानसभा और सचिवालय ने हाल ही में अपने कर जमा किए हैं लेकिन अन्य ने अभी तक ऐसा नहीं किया है।

शादी क्या है? बच्चे का निबंध पढ़कर फूट पड़ेगी हंसी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 अक्टूबर। शादी के बारे में लोगों की अपनी अपनी राय है। कोई इसको बंधन तो कोई जन्म जन्मांतर का रिश्ता बताते हैं। लेकिन कभी कभी शादी के बारे में अजीबोगरीब तर्क सामने आते रहते हैं लेकिन एक बच्चे ने जो शादी पर निबंध लिखा वो बेहद दिलचस्प है। एक लेख सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन चुका है। जिन्होंने इस निबंध को पढ़ा वो इसको आगे बढ़ा रहे हैं। यूजर्स निबंध पढ़ने के बाद अपनी हंसी नहीं रोक पा रहे हैं, तो वहीं कुछ ने स्टूडेंट की नॉनसेंस वाली बात पकड़ ली।

पढ़िए बच्चे का ये शादी पर निबंध

शादी क्या है? जब इस सवाल पर एक स्टूडेंट ने 'निबंध' लिखा तो भैया उसका 'टेस्ट पेपर' इंटरनेट पर वायरल हो गया। दरअसल, यह तस्वीर ट्विटर यूजर @srpdaa ने शेयर की। उन्होंने हंसी वाली इमोजी के साथ कैप्शन में लिखा- शादी क्या है? इस 'टेस्ट कॉपी' में देखा जा सकता है कि एक स्टूडेंट ने शादी क्या है? (What Is Marriage) पर निबंध

लिखा है, जो टीचर को ठीक नहीं लगा और उन्होंने इस निबंध को लाल पेन से काटकर स्टूडेंट को 10 में से 0 अंक दिए हैं। साथ ही, उन्होंने अंग्रेजी में नॉनसेंस और मुझसे आकर मिलो भी लिखा है।

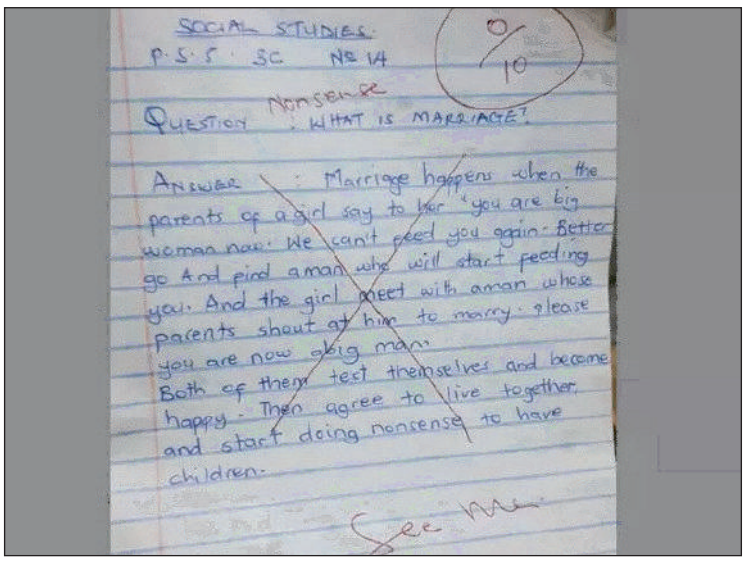

इस सवाल के जवाब में स्टूडेंट ने लिखा- शादी तब होती है जब लड़की के पैरेंट्स उससे कहते हैं कि अब तुम 'बड़ी हो गई' हो, हम तुम्हें

और नहीं खिला सकते। अच्छा होगा कि तुम एक ऐसा मर्द खोज लो जो तुम्हारा पेट भर सके। और फिर लड़की एक पुरुष से मिलती है, जिसके माता-पिता उस पर शादी करने के लिए चिल्लाते रहते हैं और बोलते हैं कि तुम अब बड़े हो चुके हो...। दोनों खुद को परखते हैं और हैप्पी हो जाते हैं। इसके बाद वे एक साथ रहना शुरू करते हैं और फिर बच्चों के लिए 'नॉनसेंस' करते हैं।

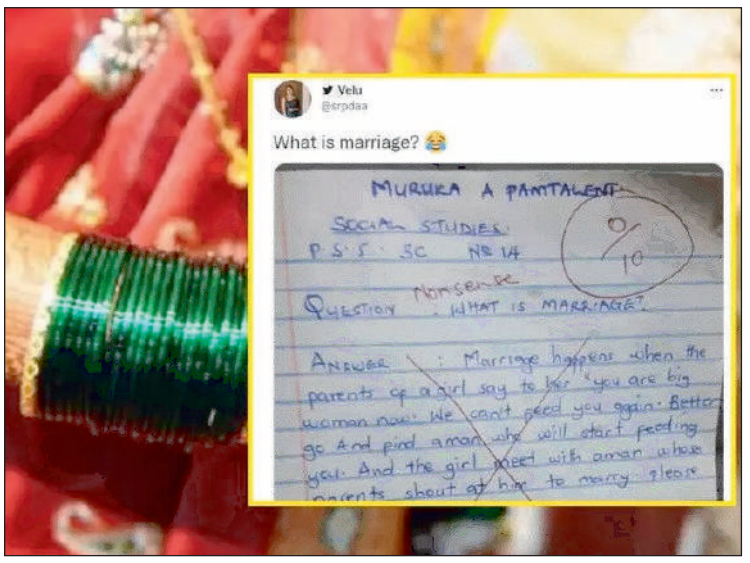

त्योहारी महीने में एससीपी दिलीप सिंह कुंवर ने तैयार किया सेफ्टी प्लान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 13 अक्टूबर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिलीप सिंह कुंवर ने वीडियो कान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारियों/थाना प्रभारियों की मासिक अपराध गोष्ठी ली गयी। गोष्ठी के दौरान एसएसपी ने सम्मिलित समस्त राजपत्रित अधिकारियों/थाना प्रभारियों को कई दिशा-निर्देश दिए हैं। इसमें सबसे बड़ा विषय त्योहार के दौरान सुरक्षा और कानून व्यवस्था दुरुस्त रखना है।

01ः सभी थाना प्रभारी आगामी दीपावली पर्व के दृष्टिगत अपने-अपने थाना क्षेत्रों में लगने वाली पटाखों की दुकानों का निरीक्षण कर इस बात को सुनिश्चित कर लें, कि कोई भी दुकान रिहायशी इलाकों के बीच न लगी हो। पटाखो की सभी दुकाने रिहायशी इलाकों से दूर खुले मैदानों में लगाई जायेंगी। सभी थाना प्रभारी इसका शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करें।

02ः दीपावली के पर्व के दौरान आग लगने की घटनाओं की सम्भावनाओं के दृष्टिगत मुख्य अग्निशमन अधिकारी इस बात को सुनिश्चित करेंगे कि फायर सर्विस के कर्मचारियों द्वारा ज्यादा से ज्यादा स्थानों पर जाते हुए स्थानीय लोगों तथा दुकानदारों को आग बुझाने के उपायो के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए डैमों के माध्यम से उसका प्रदर्शन करें। इसके अतिरिक्त पूर्व में चिन्हित किये गये 08 मुख्य स्थानों पर दीपावली के पर्व के दृष्टिगत फायर टैण्डर खडे किये जायेंगे। साथ ही लोगों को आग से बचाव हेतु ज्यादा से ज्यादा जागरूक करने के लिये बचाव संबंधी पाम्पलेट वितरित किये जायेंगे।

03ः सभी क्षेत्राधिकारी अपने-अपने सर्किल में सम्बन्धित थाना प्रभारियों के साथ क्षेत्र में स्थित शॉपिंग काम्प्लैक्सों का निरीक्षण कर इस बात को सुनिश्चित करेंगे कि वाहनों की पार्किंग हेतु बनाये गये स्थान को केवल पार्किंग के तौर पर ही इस्तेमाल किया जाये। जिन शापिंग काम्प्लैक्स संचालकों द्वारा निर्धारित पार्किंग स्थल को गोदाम अथवा अन्य व्यवसायिक गतिविधियों के लिये इस्तेमाल किया जा रहा है, उनके विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाये। साथ ही त्योहारी सीजन के दृष्टिगत लोगों की आवाजाही बढने से आने वाले वाहनों के लिये समय से नये पार्किंग स्थल चिन्हित करते हुए वाहनों को उक्त स्थानों पर ही पार्क करवाया जाये। किसी भी दशा में मुख्य मार्गों पर वाहनों की पार्किंग नहीं की जायेगी।

04ः त्योहारी सीजन के दौरान अधिक से अधिक लोग खरीददारी के लिये निकलते हैं, साथ ही अपने साथ ज्यादा कैश रखते हैं, जिससे

आपराधिक घटनाओं के होने की सम्भावना बनी रहती है। अतः सभी थाना प्रभारी अपने-अपने थाना क्षेत्रों में भीड-भाड वाले स्थानों व मुख्य बाजारों पर सादे व वर्दी में पुलिस बल नियुक्त कर आपराधिक व अवांछनीय तत्वों पर कडी नजर रखना सुनिश्चित करें।

05ः त्योहारी सीजन के दौरान जनपद में काफी संख्या में बाहरी लोगों का आवागमन हो रहा है तथा बाहरी व्यक्तियों द्वारा पूर्व में त्योहारी सीजन के दौरान आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिये जाने के मामले प्रकाश में आये हैं। अतः सभी थाना प्रभारी अपने-अपने थाना क्षेत्र में बाहर से आने वाले प्रत्येक व्यक्ति के सत्यापन की कार्यवाही करना सुनिश्चित करें, इसमें किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाये। इसके अतिरिक्त थाना क्षेत्रों में नशे के आदी आपराधिक पृवृत्ति के व्यक्तियों पर भी सतर्क दृष्टि रखी जाये।

06ः त्यौहारी सीजन के दौरान मिठाइयों व अन्य खाद्य सामग्रियों की मांग बढने के दृष्टिगत कतिपय व्यक्तियों द्वारा बाहरी प्रदेशों/जनपदों से नकली/मिलावटी दूध, मावे व अन्य खाद्य उत्पादों की बाजार में आपूर्ति की जाती है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पडने तथा किसी अप्रिय घटना के घटित होने की सम्भावना बनी रहती है। अतः सभी थाना प्रभारी खाद्य विभाग के सम्बन्धित अधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए ऐसे व्यक्तियों को चिन्हित करते हुए कड़ी कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

07ः त्यौहारी सीजन के दौरान शराब की मांग बढने से पूर्व में बाहरी राज्यों/जनपदों से कच्ची/नकली/मिलावटी व अवैध शराब की तस्करी होने की घटनाएं प्रकाश में आयी हैं। अतः सभी थाना प्रभारी अपने-अपने थाना क्षेत्रों में पूर्व में शराब की तस्करी में प्रकाश में आये अभियुक्तों पर सतर्क दृष्टि रखते हुए उनके विरूद्ध आवश्यक निरोधात्मक कार्यवाही करना सुनिश्चित करेंगे। किसी भी दशा में किसी भी थाना क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री न हो, इसके अतिरिक्त जनपद के सीमवर्ती थाने/चौकियां सीमाओ पर आने जाने वाले लोगों/वाहनों की लगातार प्रभावी चैकिंग करना सुनिश्चित करेंगे।

08ः साइबर क्राइम से सम्बन्धित अपराधों में नगर व देहात क्षेत्र से जिन टीमों को प्रकाश में आये अभियुक्तों के सत्यापन व अन्य कार्यवाही हेतु बाहरी प्रदेशों को रवाना किया गया है, सम्बन्धित थाना प्रभारी उनसे समन्वय स्थापित करते हुए प्रकाश में आये अभियुक्तों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करना सुनिश्चित करेंगे। उक्त अभियोगों की समीक्षा उनके द्वारा स्वंय की जायेगी।

09ः वर्तमान में थाना/चौकियों पर लम्बित मालों के निस्तारण हेतु अभियान चलाया जा रहा है, सभी थाना प्रभारी उक्त अभियान के तहत प्रभावी कार्यवाही करते हुए अधिक से अधिक मालों का निस्तारण करना सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त मां0 न्यायालय से प्राप्त सम्मन, वारंटो की शत प्रतिशत तामीली सुनिश्चित की जाये।

10ः एमवी एक्ट के तहत ई-चालान के माध्यम से ओवर स्पीड, ओवर लोडिंग, शराब पीकर वाहन चलाने वाले, बिना हैलमेट, ट्रिपल राइडिंग व यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध अधिक से अधिक कार्यवाही की जाये। उक्त गोष्ठी में पुलिस अधीक्षक अपराध/ यातायात/ नगर/ ग्रामीण, जनपद देहरादून के समस्त क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारियों द्वारा ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रतिभाग किया गया।

भाजपा छोड़ वरुण गाँधी थामेंगे इस पार्टी का हाँथ !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 14 अक्टूबर , लम्बे समय से कयास लगाए जा रहे हैं कि बीजेपी के सांसद और गाँधी परिवार के सदस्य वरुण गांधी के पार्टी में आखिरी दिन चल रहे हैं ऐसे में समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव के अंतिम संस्कार के बाद एक प्रबल सम्भावना ने ज़ोर पकड़ लिया है। आपको याद दिला दें कि नेताजी के निधन के बाद सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मिलने पहुंचे तमाम नेताओं में पीलीभीत से बीजेपी सांसद वरुण गांधी का नाम भी खूब चर्चाओं में है। बीते कई महीनों से अपने बयानों से पार्टी को आहात करने वाले हिंदुत्व के फायरब्रांड नेता मने जाने वाले वरुण ने अखिलेश को बड़ा भाई बताया और गले मिलते हुए फोटो शेयर की। अखिलेश से

मिलकर वरुण गांधी रो पड़े। दोनों के बीच की आत्मीयता देखकर कयास लग रहे हैं कि 2024 तक वरुण गांधी सपा जॉइन कर सकते हैं। यूं भी वरुण अपनी पार्टी से नाराज बताए जाते हैं। ऐसे मे अगर ये मिलाप हो जाता है तो बीजेपी के लिए यूपी में मुश्किलें बढ़ सकती हैं क्योंकि सपा के साथ गाँधी नाम जुड़ जायेगा।

IIT-रुड़की ने पहाड़ी शहरों के लिए जापानी तकनीक-आधारित STP की अनुकूलन क्षमता की पुष्टि की

IIT-रुड़की के पर्यावरण शोधकर्ताओं ने भारतीय परिस्थितियों में इसके अनुकूलन और सत्यापन के लिए जापान की जोहकासौ तकनीक (JT) पर शोध किया है। JT सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स (STPs) में डील करता है।जापानी कंपनी Daiki ने IIT-R के साथ दिसंबर 2020 में MoU पर हस्ताक्षर किए। शोधकर्ताओं ने कहा कि उत्तराखंड में जेटी का कार्यान्वयन घरेलू एसटीपी के माध्यम से अपशिष्ट जल उपचार की समस्या को बहुत प्रभावी ढंग से संबोधित कर सकता है। देश में Daiki के प्रतिनिधि Daiki Axis India Pvt Ltd (DAIPL), मुंबई ने

पिछले 10 महीनों में उत्तराखंड में विभिन्न साइटों पर लगभग आधा दर्जन STP स्थापित किए हैं। IIT-R के शोधकर्ताओं ने उन सभी को अच्छा प्रदर्शन करते हुए पाया है।

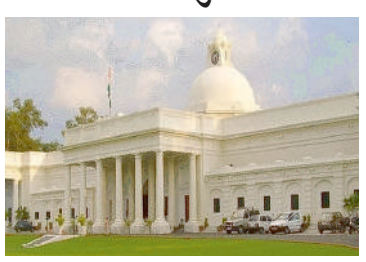

ये हैं सीएम धामी का अनोखा अंदाज़, पहुँच गए जनता के बीच

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 13 अक्टूबर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी त्योहारों के सीजन को देखते हुए अचानक आईएसबीटी देहरादून पहुँच गए और लोगों से उनकी समस्या और अनुभव जाने। मुख्यमंत्री ने आईएसबीटी में सफाई व्यवस्था, पेयजल, शौचालयों, टिकट बुकिंग काउंटर, एवं कैंटीन का निरीक्षण किया और उत्तराखंड परिवहन निगम की बसों का निरीक्षण कर यात्रियों से बातचीत भी की।

आईएसबीटी में सफाई व्यवस्था सही नहीं पाए जाने पर मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि यदि स्वच्छता व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो संबंधित अधिकारियों एवं जो कंपनी इस व्यवस्था को देख रही है, उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि आईएसबीटी पर शुद्ध पेयजल की पूरी व्यवस्था कि जाय। शौचालयों में स्वच्छता एवं पानी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही आईएसबीटी का दुबारा निरीक्षण किया जाएगा। यदि तब तक सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त नहीं पाई गई तो संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने टिकट बुकिंग काउंटर के निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए कि आईएसबीटी से विभिन्न क्षेत्रों के लिए जाने वाली बसों के रवाना होने से पहले अनाउंसमेंट की समुचित व्यवस्था की जाय। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने यात्रियों से बातचीत की।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि वे राज्य में अन्य बस अड्डों का भी निरीक्षण करेंगे। उन्होंने निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि आईएसबीटी के आस पास अवैध पार्किंग एवं अतिक्रमण पाए जाने पर संबंधितों पर कार्रवाई की जाय। आईएसबीटी के आसपास सौंदर्यीकरण भी किया जाय। यह सुनिश्चित किया जाए की आईएसबीटी पर लगे सभी सीसीटीवी कैमरे हमेशा चालू रहें। इस दौरे को देखते हुए अब लगता है कि आने वाले दिनों में छापेमारी का ये सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

ऋण आवेदनों का त्वरित निस्तारण किया जाय : आनन्द वर्द्धन ACS

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 13 अक्टूबर। अपर मुख्य सचिव आनन्द वर्द्धन ने राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक में सभी बैंकों को निर्देश दिए हैं कि विभिन्न योजनाओं के तहत प्रदान किए जाने वाले ऋण आवेदनों का त्वरित निस्तारण किया जाय। उन्होंने स्पष्ट किया कि जरूरतमंदो के ऋण आवेदनों के मामलों में बैंक संवेदनशीलता के साथ काम करे। पर्वतीय राज्य होने के कारण उत्तराखण्ड के दूरस्थ इलाकों में रहने वाले लोग आजीविका बढ़ाने के लिए सरकारी ऋण योजनाओं पर निर्भर है। पलायन रोकने तथा लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने में बैंकों की अहम भूमिका है।

सचिवालय में अवस्थापना विकास बैंकर्स स्थायी समिति की बैठक में अपर मुख्य सचिव ने बैंकों को निर्देश दिए कि महिला स्वयं सहायता समूहों व ग्रामीणों को स्वरोजगार की ऋण योजनाओं से प्राथमिकता के आधार पर जोड़ा जाए। राज्य के उद्योग विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि विभाग ने केवीआईसी, प्रधानमंत्री रोजगार

सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत अभी तक 2257 आवेदकों के ऋण आवेदन पत्र बैंकों को भेजे हैं।

उद्योग विभाग तथा खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग द्वारा लाभार्थियों को ऑफलाइन ट्रेनिंग दी जा रही है। राज्य के एमएसएमई विभाग ने मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना एवं मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना नैनों के तहत 8362 आवेदकों के ऋण आवेदन बैंकों को भेजे हैं। बैठक में बैंकों तथा यूएलबी को हर शुक्रवार कैंप लगाकर ऋण आवेदनों के निस्तारण के लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य में बैंको को अभी तक पीएम स्वनिधि के तहत 22963 ऋण आवेदन, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत 5960, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना नैनों के तहत 2402, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत 2257, वीर चन्द्र गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना के तहत 257, होम स्टे योजना के तहत 258 ऋण आवेदन प्राप्त हुए है। कुल प्राप्त 34097 ऋण आवेदनों में से विभिन्न बैंकों द्वारा 17503 आवेदन स्वीकृत किए गए है। बैंकों ने 8241 ऋण आवेदन विभिन्न कारणों से निरस्त कर दिए। ऋण आवेदनों के निरस्त होने के मुख्य कारणों में आवेदकों द्वारा ई-केवाईसी न करवा पाना, बैंकों की अन्य औपचारिकाताएं पूरी न कर पाना, सिबिल डिफॉल्ट, आवेदकों का बैंकों के सेवा क्षेत्र से बाहर होना है। लगभग 6792 ऋण आवेदन बैंकों में विचाराधीन हैं।

उत्तराखण्ड में बैंकों द्वारा व्यापारिक, सेवा, निर्माण, कृषि सहयोगी गतिविधियों के लिए 10 लाख रूपये तक की प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत इस वर्ष (2022-2023) 90494 लाभार्थियों को 1084 करोड़ 97 लाख रूपये के ऋण वितरित किए गए हैं। अनुमान है कि इससे अभी तक 205517 लोगों को रोजगार मिला है। राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) ने बैंकों को दिसम्बर तक वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना के तहत 250 ऋण आवेदनों के लक्ष्य को पूरा करने के निर्देश दिए हैं। अभी तक इस योजना के तहत 75 स्वीकृत ऋण आवेदकों को 1014.31 लाख रूपये का ऋण वितरित किया जा चुका है। बैंकों को दीन दयाल उपाध्याय गृह आवास विकास योजना (हो स्टे) के 200 ऋण आवेदनों के लक्ष्य को निर्धारित अवधि तक पूरा करने के निर्देश मिले हैं। होम स्टें में निर्धारित लक्ष्य 200 के सापेक्ष 74 ऋण आवेदन स्वीकृत तथा 1523.81 लाख रूपये का ऋण वितरित किया जा चुका है।

राज्य में पर्यटन विकास की दृष्टि से बैंकों को होम स्टे योजना के ऐसे ऋण आवेदन जिनमें सेक्शन 143 के तहत अकृषि प्रमाण पत्र एवं निर्माणाधीन इकाई का मानचित्र अधिकृत एजेंसी से स्वीकृति की जरूरत नही है, को अविलम्ब निस्तारित करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। जानकारी दी गई कि पी एम स्वनिधि के तहत ऋण प्रदान करने समय सीमा दिसम्बर 2024 तक बढ़ा दी गई है। बैठक में सचिव दिलीप जावलकर, अपर सचिव सी रविशंकर, चीफ मैनेजर एसबीआई अभिषेक नैथानी, डिप्टी सीईओ खादी बोर्ड एस डी मासीवाल, चीफ मैनेजर बैंक ऑफ बड़ौदा हुकुम सिंह, उद्योग विभाग, एमएसएमई विभाग तथा विभिन्न बैंकों के अधिकारी उपस्थित थे।

लो जी 2022 में 303 कमजोरियों के साथ गूगल क्रोम सबसे असुरक्षित ब्राउज़र

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

303 कमजोरियों और 2022 तक कुल 3,159 कमजोरियों के साथ, एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि गूगल क्रोम उपलब्ध सबसे कमजोर ब्राउज़र है। ये आंकड़े 1 जनवरी, 2022 से 5 अक्टूबर, 2022 तक के VulDB भेद्यता डेटाबेस के डेटा पर आधारित हैं।अक्टूबर में पांच दिनों में नई कमजोरियों के साथ गूगल क्रोम एकमात्र ब्राउज़र है। हाल ही में CVE-2022-3318, CVE-2022-3314, CVE-2022-3311, CVE-2022-3309, और CVE-2022-3307 शामिल हैं। CVE प्रोग्राम कई प्लेटफॉर्म पर सुरक्षा खामियों और कमजोरियों को ट्रैक करता है। डेटाबेस अभी तक इन खामियों के विवरण सूचीबद्ध

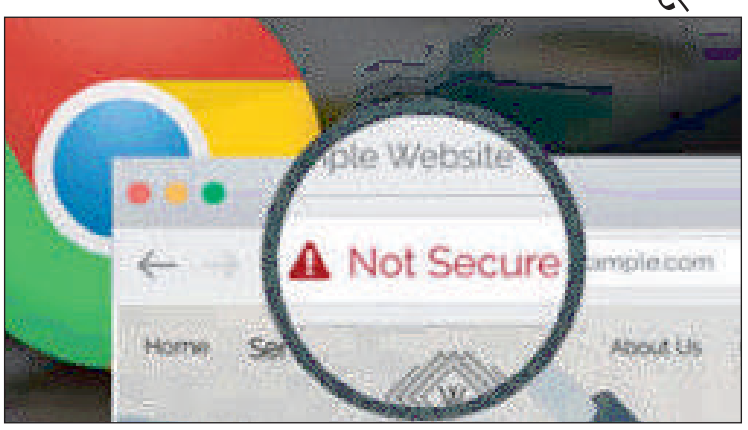

नहीं करता है, लेकिन रिपोर्ट में कहा गया है कि वे कंप्यूटर पर स्मृति भ्रष्टाचार का कारण बन सकते हैं।उपयोगकर्ता गूगल क्रोम संस्करण 106.0.5249.61 में अपडेट करके इन्हें ठीक कर सकते हैं। मोज़िला का फ़ायरफ़ॉक्स ब्राउज़र कमजोरियों के लिए

दूसरे स्थान पर है, उनमें से 117 के साथ। 5 अक्टूबर तक माइक्रोसॉफ्ट एज में 103 कमजोरियां थीं, जो 2021 के पूरे वर्ष की तुलना में 61 प्रतिशत अधिक है। कुल मिलाकर, रिलीज होने के बाद से इसमें 806 कमजोरियां हैं।इसके बाद सफारी है, जिसमें कुछ निम्नतम स्तर की कमजोरियां हैं। उदाहरण के लिए, 2022 की पहली तीन तिमाहियों में, इसकी 26 कमजोरियां थीं, और इसकी रिलीज के बाद से संचयी कमजोरियों के लिए इसकी संख्या 1,139 थी, रिपोर्ट में कहा गया है। इस बीच, ओपेरा ब्राउज़र में 2022 में अब तक कोई दस्तावेजी भेद्यता नहीं थी और केवल 344 कुल कमजोरियां थीं।मई 2022 तक, सफ़ारी एक अरब से अधिक उपयोगकर्ताओं तक पहुँच गया, और एप्पल यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है कि उसका ब्राउज़र सुरक्षित और उपयोग में सुरक्षित है।

आर्मी हॉस्पिटल ने 15 साल के लड़के पर जटिल नॉन-सर्जिकल कार्डियक वाल्व रिप्लेसमेंट किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आर्मी हॉस्पिटल ने एक 15 वर्षीय लड़के पर एक जटिल नॉन-सर्जिकल कार्डियक वाल्व रिप्लेसमेंट करके अपनी टोपी में एक और कीर्तिमान अर्जित किया है। कर्नल हरमीत सिंह अरोड़ा, पीडियाट्रिक के नेतृत्व में ऑपरेटिंग टीम इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट ने यह उपलब्धि महानिदेशक सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा, सर्जन वाइस एडमिरल रजत दत्ता के मार्गदर्शन में हासिल की, जो सशस्त्र बलों में सबसे वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट भी हैं।

रोगी एक जटिल जन्मजात हृदय दोष (सीएचडी) के साथ पैदा हुआ था, जिसके लिए उसने बचपन में दो ओपन हार्ट सर्जरी करवाई थी, जिसमें हृदय से फेफड़ों तक रक्त की आपूर्ति के लिए एक कृत्रिम 'नाली' रखी गई थी। समय के साथ, यह नाली खराब हो गई, जिससे प्रगतिशील हृदय गति रुक गई। बहुत अधिक जोखिम वाली तीसरी ओपन हार्ट सर्जरी से बचने के लिए, 'ट्रांसकैथेटर पल्मोनरी वाल्व इम्प्लांटेशन' नामक एक नई प्रक्रिया शुरू की गई जिसमें कमर में एक छोटे चीरे के माध्यम से एक कृत्रिम वाल्व डाला गया।सशस्त्र बलों सहित सरकारी क्षेत्र में यह पहली बार है कि इस प्रक्रिया को अंजाम दिया गया है। बाल रोग विशेषज्ञ और बाल रोग विभाग के प्रमुख कर्नल संदीप ढींगरा ने कहा, ₹पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी टीम की यह उपलब्धि कॉम्प्लेक्स सीएचडी वाले बच्चों में उन्नत व्यापक हृदय देखभाल प्रदान करने की दिशा में एक बड़ी छलांग है और गैर-सर्जिकल हस्तक्षेपों में एक नए युग की शुरुआत करती है।

लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल कमांडेंट, एएचआरआर ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि को हासिल करने के लिए ऑपरेटिंग टीम को पूरक बनाया और उन्हें उन्नत बाल चिकित्सा हृदय देखभाल के प्रावधान में हमेशा सबसे आगे रहने के लिए प्रोत्साहित किया। कर्नल हरमीत ने कहा, ₹यह पथ-प्रदर्शक प्रक्रिया सीएचडी वाले रोगियों को एक नया जीवन देगी और उच्च जोखिम वाली सर्जरी से बचने में मदद करेगी, इस प्रकार जीवन की गुणवत्ता में काफी सुधार होगा₹।

द डार्कस्टार बन सकती है बजाज की पहली एडवेंचर बाइक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बजाज ने सितंबर 2022 में 'डार्कस्टार' नाम के लिए एक ट्रेडमार्क दाखिल किया है जो औपचारिकता जांच में पास हो गया है। हालांकि यह कहना जल्दबाजी होगी कि यह उत्पाद वास्तव में क्या हो सकता है, बजाज की नई पल्सर 250-आधारित एडीवी होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है।एक डार्क स्टार को सतह से बचने का वेग कहा जाता है जो प्रकाश की गति के बराबर या उससे अधिक होता है। लेकिन नीरस चीजों को एक तरफ रखते हुए, यह नाम एक मोटरसाइकिल के लिए उपयुक्त लगता है जिसका उद्देश्य पीटा पथ से आगे बढ़ना है, क्या आपको नहीं लगता?चाकन स्थित बाइक निर्माता द्वारा एक नए एडीवी पर काम करने के बारे में अफवाहें थीं, और इस सेगमेंट की लोकप्रियता को देखते हुए, ब्रांड के लिए इस स्थान पर कदम रखना समझ में

आता है। और यह अत्यधिक संभावना है कि कंपनी पल्सर N250 और F250 पर शुरू की गई नई विकसित 250cc मिल का उपयोग करेगी।बजाज डार्कस्टार एडीवी का विचार आकर्षक है, यह पल्सर रेंज या डोमिनार (जिसकी हमें उम्मीद नहीं है) के लिए एक हत्यारे-आउट ब्लैक थीम वाले संस्करण के लिए भी हो सकता है।. लेकिन जब तक कंपनी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं करती है, या हमें कोई परीक्षण खच्चर नहीं मिलता है, तब तक बजाज डार्कस्टार एक रहस्य बना रहेगा।

हज और उमरा पर आने वाली महिलाओं के लिए सऊदी अरब का बड़ा फ़ैसला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 14 अक्टूबर , प्रिंस मुहम्मद बिन सलमान के प्रधानमंत्री बनाए जाने के बाद सऊदी सरकार ताबड़तोड़ बड़े फैसले ले रही है। अब सऊदी सरकार ने हज और उमरा पर जाने वाली महिलाओं के लिए सऊदी अरब ने एक बड़ा फ़ैसला किया है। नए आदेश में कहा गया है कि तीर्थयात्रा पर जाने वाली महिलाओं को अब किसी पुरुष को अपने साथ लाने की ज़रूरत नहीं होगी। इसके पहले खबर आई थी कि सऊदी अरब में अगल साल से कंसल्टेंसी के प्रोफेशन में 35 प्रतिशत स्थान स्थानीय लोगों को आरक्षित होंगे।हज और उमरा पर जाने वाली महिलाओं के लिए सऊदी अरब ने एक बड़ा फ़ैसला किया है। तीर्थयात्रा पर जाने वाली महिलाओं को अब किसी पुरुष को अपने साथ लाने की ज़रूरत नहीं होगी।

सऊदी अरब के हज और उमरा मंत्री तौफ़ीक़ अल-राबिया ने मिस्र की राजधानी काहिरा में सऊदी दूतावास में आयोजित प्रेस

कॉन्फ्रेंस में इस फ़ैसले की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हज और उमरा पर आने वाली महिलाओं को अब बिना महरम (रक्त संबंध वाले पुरुष) के साथ आने की इज़ाजत होगी। इसके साथ ही उस बहस पर विराम लग गया है कि महिलाएं हज और उमरा पर अकेले आ सकती हैं या नहीं।

साइबर ठगों ने डीएम हरिद्वार के नाम फ़ज़ी व्हट्सप ग्रुप बनाकर मांगे पैसे, केस दर्ज़

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार, 13 अक्टूबर। साइबर ठग अब प्रदेश के उच्च अधिकारियों के नाम पर भी उगाही की हिमाकत करने लगे हैं। ताज़ा मामला हरिद्वार के जिलाधिकारी विनय शंकर पांडे से जुड़ा है जहाँ डीएम की फोटो लगाकर व्हाट्सएप अकाउंट बनाकर लोगों से पैसे मांगने का मामला सामने आया है. मामले में डीएम के सहायक ने सिडकुल थाने में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है.सिडकुल थाना पुलिस को दी तहरीर में डीएम के सहायक सुदेश कुमार ने बताया की आरोपी ने जिलाधिकारी विनय शंकर पांडे फोटो व्हाट्सएप पर लगाकर करीब 20 से ज्यादा लोगों से पांच ₹5000 तत्काल बताए गए खाते में भेजने को कहा. इस बात की सूचना जिलाधिकारी को भी किसी तरह लगी, जिसके बाद वे एक्शन में आये.उन्हीं के आदेश पर आरोपियों के

खिलाफ सिडकुल थाने में मुकदमा दर्ज करा दिया गया है. थानाध्यक्ष सिडकुल प्रमोद उनियाल ने बताया इस मामले में तत्काल मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है. जिस नंबर से जिलाधिकारी के नाम पर पैसे मांगे गए उस नंबर को सर्च किया जा रहा है. जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

सर्किल रेट में किसी प्रकार की विसंगतियां न रहे : सोनिका, डीएम, देहरादून

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 13 अक्टूबर। जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट परिसर में जिला स्तरीय मूल्याकंन समिकत (सर्किल रेट पुनरीक्षण) की बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी ने जीआईएस सिस्टम लागू करने पर संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा की। इस दौरान विशेषज्ञों द्वारा वर्चुअल माध्यम से जीआईएस पोर्टल/एप्प के संबंध में जानकारी दी।

बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद में सर्किल रेट निर्धारण हेतु नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत वार्डवार नजरी नक्शा का उपयोग करने तथा जिन क्षेत्रों में सर्किल रेट में विसंगतियां है उनको सर्वे रिपोर्ट में चिन्हित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। साथ ही राजस्व, नगर निगम, नगर पालिका परिषद संबंधित सब रजिस्ट्रार निबन्धक कार्यालय को आपसी समन्वय करते हुए सूक्ष्म स्तर पर क्षेत्र चिन्हित करने के निर्देश दिए ताकि सर्किल रेट में किसी

प्रकार की विसंगतियां न रहे। साथ ही जीआईएस सिस्टम लागू करने हेतु कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर आईजी स्टॉम्प डॉ0 अहमद इकबाल ने नगर निगम, नगर पालिका परिषदों के अधिकारियों से वार्डों के नजरी नक्शे उपलब्ध कराने को कहा, ताकि सर्किल दर निर्धारण हेतु किए जाने वाले सर्वे में एवं आनलाइन मैपिंग कार्यों में सहायता मिले। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के.के. मिश्रा, सहायक नगर आयुक्त नगर निगम देहरादून जगदीश, एआईजी स्टाम्प संदीप श्रीवास्तव, तहसीलदार सदर सोहन सिंह रागंड़, सब रजिस्ट्रार रामदत्त मिश्र, सब रजिस्ट्रार अवतार सिंह रावत तथा ऑनलाइन माध्यम से तहसीलदार विकासनगर, डोईवाला एवं ऋषिकेश सहित नगर निगम, नगर पालिका परिषद के अधीशासी अधिकारी जुड़े रहे।

संपादकीय

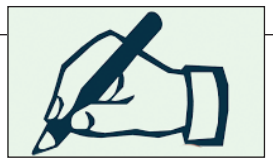

ईरान में हिजाब का बढ़ता विरोध

तीन सप्ताह से अधिक समय से जो घटनाक्रम ईरान में चल रहा है, वह बेहद चिंताजनक है. मीडिया रिपोर्टों की मानें, तो अब तक सौ से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है तथा बड़ी संख्या में गिरफ्तारियां भी हुई हैं. इसके बावजूद देश के लगभग सभी हिस्सों में विरोध प्रदर्शन जारी हैं. ये प्रदर्शन 16 सितंबर को महसा अमीनी नामक लड़की की मौत के बाद से चल रहे हैं. उसे ठीक से हिजाब न पहले के लिए हिरासत में लिया गया था, जहां वह बेहोश हो गयी थी. ईरानी पुलिस पर आरोप है कि इस लड़की के साथ हिरासत में मारपीट की गयी थी. अभी जो परिस्थिति ईरान में बनी है, वह इस लिहाज से भी दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि ईरान उन कुछ इस्लामिक देशों में से एक रहा है, जहां विभिन्न प्रकार के सुधार किये गये थे. इन सुधारों को अयातुल्लाह खुमैनी की अगुवाई में 1979 में हुई इस्लामिक क्रांति के बाद उलट दिया गया था. दुनिया जब बदलाव और खुलेपन की ओर बढ़ रही है, तब इसे जोर-जबरदस्ती से रोक पाना उचित नहीं है. खुलेपन का यह मतलब नहीं है कि पश्चिमी सभ्यता और उसके मूल्यों को पूरी तरह धारण कर लिया जाए, लेकिन जब लोगों, विशेषकर युवा वर्ग, को रूढ़िवादिता में जकड़ा जायेगा, तो उनका विरोध करना स्वाभाविक है. यदि रूढ़ियों में समाज को बांधकर रखना है, तो फिर पूरी दुनिया से अलग-थलग होने का विकल्प ही बचता है, आप इंटरनेट बंद कर दें, सूचना तकनीक को खत्म कर दें. इसके बरक्स यह विकल्प है कि आप दुनिया के साथ कदम मिलाकर चलें, अपने समाज के मूल्यों, अपने धार्मिक विश्वासों तथा अपने पारिवारिक परंपराओं को बरकरार रखते हुए समाज में कुछ खुलापन लाने की दिशा में आगे बढ़ें. यह बड़े अफसोस की बात है कि ईरान आज से छह-सात दशक पहले जैसा था, आज इतने अरसे बाद वह और भी पीछे की ओर जा रहा है. इस्लाम को रूढ़िवादिता में बांधकर मुल्ला लोगों ने यह समझा दिया है कि प्रतीकों में धर्म है, जबकि वास्तविकता यह है कि धर्म के प्रतीक हो सकते हैं, लेकिन प्रतीक में धर्म नहीं हो सकता है. इसलिए धर्म की गहराई को और उसकी आत्मा को समझने की जरूरत है. उसमें मानवता के कल्याण के लिए काम करने का संदेश मूल रूप से अंतर्निहित है. हमें आध्यात्मिकता की ओर अग्रसर होना चाहिए. दाढ़ी, टोपी और पहनावे में धर्म खोजना बेमानी बात है. पसंद से अच्छे कपड़े पहनने और अच्छा खाना. खाने का धर्म से कोई टकराव नहीं है. दुनियाभर में सऊदी अरब से हुए वहाबीवाद के निर्यात के जरिये इस्लाम को एक कट्टर रूप दे दिया गया. इसका एक असर ईरान पर भी हुआ है. ऐतिहासिक तथ्य यह है कि अमेरिका ने तत्कालीन सोवियत संघ के साम्यवाद के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए रूढ़िवादी इस्लाम का सऊदी अरब से निर्यात करवाया. उसका इरादा यह था कि मुस्लिम देशों और समाजों में रूढ़िवाद की दीवार इतनी मजबूत व ऊंची हो जाए कि साम्यवाद उसे पार न कर सके. अमेरिका उस काम में कामयाब रहा, लेकिन समूचा मुस्लिम समाज आज उसका खामियाजा भुगत रहा है. अब तो उसे समझ ही जाना चाहिए कि किसके कहने पर कौन उसका भुगतान कर रहा है. आज भले ही अमेरिका की इसमें दिलचस्पी नहीं रही हो, लेकिन मुस्लिम समाजों के भीतर हर जगह ऐसे संगठन खड़े हो हो गये हैं, जो रूढ़िवादिता का प्रचार-प्रसार करते रहते हैं.

आपको कामयाब और बेहतरीन इंसान बनाती हैं ये 7 आदतें, आपमें है कितनी ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 अक्टूबर। हो सकता है कि आप रिस्क लेना पसंद करते हैं और हर बार बिना किसी समस्या के काम पूरा भी कर लेते हों, लेकिन आपकी ये आदत मुश्किल पैदा कर सकती है. यही नहीं, ये आदतें आपको बैड डिसीजन मेकर भी बना सकती है.लाइफ में सही निर्णय लेना बेहतर जीवन जीने की कुंजी कही जा सकती है. मसलन, सही जगह मनी इंनवेस्ट करना, जॉब इंटरव्यू के लिए ड्रेस का चुनाव, सही समय पर जॉब चेंज आदि का सही निर्णय आपको ना केवल कॉनफिडेंट बनाती है, बल्कि आपको अपने डिसीजन को लेकर मन में किसी तरह का संशय भी नहीं रहता है. ऐसे में आप खुद को इंडिपेंडेंट बना पाते हैं और अपने जीवन को बेहतर बना पाते हैं. वेरीवेल माइंड के मुताबिक, कोई भी इंसान बेहतर डिसीजन मेकर बन सकता है अगर वो अपने लाइफ में इन 7 आदतों को शुमार कर ले.

बेहतर डिसीजन मेकर बनने के लिए अपनाएं ये हैबिट

ओवर कॉन्फिडेंस से बचें

आप अपने परफॉरमेंस को लेकर आत्मविश्वास रखें लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि आप ओवर कॉन्फिडेंट ना हों. मसलन, किसी बहुत बड़ी रिपोर्ट को आप केवल 1 घंटे में कर पाएंगे? या केवल 30 मिनट में आप बिजली का बिल भर पाएंगे? ऐसे में आप समय को लेकर थोड़ा विचारें और फिर निर्णय लें.

रिस्की आदतों को पहचानें

हो सकता है कि आप रिस्क लेना पसंद करते हैं और हर बार बिना किसी समस्या के काम पूरा भी कर लेते हों, लेकिन आपकी ये आदत मुश्किल पैदा कर सकती है. यही नहीं, यह आदत को आपको बैड डिसीजन मेकर बना सकती है. मसलन, अगर आप स्पीड में कार चलाते हैं और एक घंटे का रास्ता 20 मिनट में तय कर लेते हैं तो ये डिसीजन आपके लिए कभी ना कभी समस्या में डाल सकती है.

प्रॉब्लम को देखने का नजरिया बदलें

कई लोग यह कहेंगे कि ग्लास में आधे से कम पानी है जबकि दूसरा कोई ये कहेगा कि आधा से अधिक पानी है. ये दोनों ही सही बात है लेकिन आपके नजरिये को दर्शाता है और सुनने वाले को ये लगता है कि प्रॉब्लम अधिक है. इसलिए आप अपने प्रॉब्लम को देखने और बताने का नजरिया बदलें.

ओवर थिंकिंग से बचें

ओवर थिंकिंग हमेशा समस्या पैदा करता है. ऐसे में बेहतर होगा कि आप समस्याओं से अधिक फायदों पर विचार करें और निर्णय लें.

गलत निर्णय से लें सबक

गलती आपको हर बार कुछ ना कुछ बात सिखाकर जाती हैं. ऐसे में पहले लिए गए गलत निर्णयों से सबक लें.

अपनी सोच को बदलें

अगर आप किसी चीज को लेकर जजमेंटल हैं तो आपको बता दें कि आप दूसरे नजरिये से भी चीजों को देखने का प्रयास करें. सिचुएशन को दूसरे तरीके से भी हैंडल करने का प्रयास करें.

खुद से करें बात

अगर आप खुद से एक भरोसेमंद दोस्त की तरह बात करें तो ये आपके लिए सही निर्णय लेने में मदद कर सकता है.

क्या आपके फोन पर 2 मिनट 20 मिनट में बदल जाते हैं? यहां बताया गया है कि कैसे केंद्रित रहें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

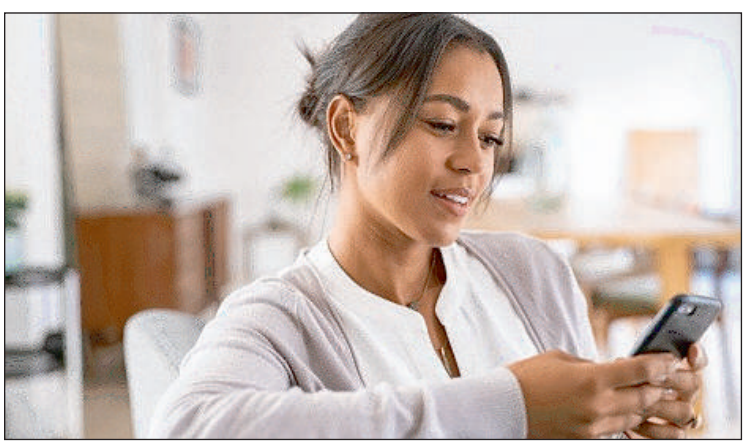

यदि आप फोकस में सुधार करना चाहते हैं, तो आप सही जगह पर हैं। अपना ध्यान अवधि बढ़ाने के लिए प्रभावी टिप्स प्राप्त करें। कल सुबह आपके पास एक समय सीमा है, इसलिए आप अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार है , अपने आप को अपने डेस्क पर बांध लें। लेकिन ऐसा करने से पहले, आप फोन पर जल्दी से स्क्रॉल करने का निर्णय लेते हैं। क्या यह दृश्य आपको जाना-पहचाना लगता है? यदि आप सकारात्मक हैं, तो आप जानते हैं कि काम से आपका ध्यान यहाँ से नीचे की ओर जाता है! दो मिनट 20 और उससे भी अधिक में बदल जाते हैं। और इसलिए शुरू होती है आपकी ऊबड़-खाबड़ सवारी, जो आधी रात के तेल को जलाने से भरी होती है, अपने अलार्म को बंद कर देती है, नाश्ता छोड़ देती है और पूरे दिन कॉफी पीती है। आइए हम आपको काम पर फोकस को बेहतर बनाने के कुछ सुझावों के साथ मदद करते हैं।

आखिरकार, क्या यह अद्भुत नहीं होगा यदि आप अपने आस-पास के सभी विकर्षणों के प्रलोभन को दूर कर सकें? क्या अपने ध्यान की अवधि और ध्यान को बढ़ाना अद्भुत नहीं होगा? हम आपके दिल से रहाँर महसूस कर सकते हैं! तो आइए जानते हैं फोकस और अटेंशन खोने से कैसे बचें।

फोकस को बेहतर बनाने के लिए यहां बेहतरीन टिप्स दी गई हैं

1. एक समय सीमा निर्धारित करें

यदि आप जो कुछ भी करते हैं उसके लिए एक समय सीमा निर्धारित करते हैं - चाहे वह सोशल मीडिया पर स्क्रॉल करना हो या कोई लेख पढ़ना, यह आपको ध्यान केंद्रित करने और काम पर बने रहने में मदद कर सकता है। एक बार जब टाइमर बंद हो जाता है, तो अपना फोन दूर रख दें और किसी और चीज पर आगे बढ़ें।

2 . फोकस में सुधार के लिए माइंडफुलनेस का अभ्यास करें

माइंडफुलनेस पल में मौजूद रहने और अपने विचारों को ला-ला लैंड में भटकने नहीं देने के बारे में है। माइंडफुलनेस आपको ध्यान केंद्रित करने और अतीत या भविष्य के बारे में विचारों से विचलित होने से बचने में मदद कर सकती है। जब आप अपने मन को भटकते हुए देखें, तो बस एक गहरी सांस लें और अपने परिवेश पर ध्यान केंद्रित करें।

3. मल्टीटास्किंग से बचें

जब आप एक साथ कई काम करने की कोशिश कर रहे होते हैं, तो आपका दिमाग उनमें से किसी पर भी ठीक से फोकस नहीं कर पाता है। एक कार्य चुनें और उस पर अपना पूरा ध्यान दें। करने के लिए चीजों की एक सूची होने से आपको पूरा करने की आवश्यकता का स्पष्ट अवलोकन देकर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिल सकती है। एक बार जब आप एक कार्य पूरा कर लेते हैं, तो आप इसे अपनी सूची से भौतिक रूप से देख सकते हैं, जो आपको आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने में मदद करेगा।

नियाज़ी भाइयों के कव्वाली और सूफी गीत ने देहरादून के लोगों को मंत्रमुग्ध किया

विरासत में कुमार मर्दूर द्वारा शास्त्रीय गायन प्रस्तुत किया गया

■ विरासत आर्ट एंड हेरीटेज फेस्टिवल 2022 के 'विरासत साधना' कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने कथक और भरतनाट्यम के माध्यम से घुंगरू की थाप, शिव स्तुति, गणेश एवम शिव आराधना, पनघट पे छेड़छाड नृत्य प्रस्तुत किये

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 13 अक्टूबर। विरासत आर्ट एंड हेरीटेज फेस्टिवल 2022 के पांचवे दिन की शुरुआत 'विरासत साधना' कार्यक्रम के साथ हुआ। 'विरासत साधना' में देहरादून के अलग-अलग विद्यालयों के बच्चो ने प्रतिभाग किया एवं कार्यक्रम की शुरुवात शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुति से हुई जिसमें बच्चो ने अदभुद प्रस्तुति देकर बैठे दर्शक का मन जीत लिया। कार्यक्रम की शुरुवात में झंकार नृत्य विद्यालय की छात्रा रितिका गुलाटी ने कथक में सुंदर प्रस्तुति दी, जिसमे उन्होंने मनोरमा नेगी (निर्देशन) नुतम भट्ट (वोकल एवम हारमोनियम), हेमंत मिश्र कांथा (तबला),श्रृष्टि एवम अनन्या(बदनी) के साथ अदभुद जुगलबंदी कर अपनी घुंगरू की थाप से सबको मंच की ओर आकर्षित कर लिया। उसके बाद की प्रस्तुति में उपल्बधी रावत (दून इंटरनेशनल स्कूल) ने कथक में शिव स्तुति प्रस्तुत किया । इसी प्रकर विशाल सिंह (संत कबीर एकेडमी) से गणेश एवम शिव आराधना में सुंदर प्रदर्शन किया। अनवेसा रावत (समर वैली स्कूल) ने कथक (पनघट पे छेड़छाड) में अपनी कला का प्रदर्शन किया।उसके बाद दिव्यानी चौहान (डीएवी पब्लिक स्कूल) कथक में और अंत में रवीना भंडारी (फिलफोर्ट स्कूल) भरतनाट्यम का प्रदर्शन कर कार्यक्रम का समापन किया । प्रशंसा के स्वरूप में (कॉर्डिनेटर रीच साधना) कल्पना जी ने उन्हें सर्टिफिकेट द्वारा सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में कुल 12विध्यालय एवम विश्वविद्यालय के 12 बच्चों ने प्रतिभाग किया।

सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ एवं कुमार मर्दूर द्वारा शास्त्रीय गायन प्रस्तुत किया गया एवं उन्होंने राग शुद्ध कल्याण, राग दरवाड़ी कान्हड़ा, राग यमन पर अपनी प्रस्तुति दी । अपनी प्रस्तुति का समापन उन्होने एक भजन के साथ किया। उनके संगत में हारमोनियम में पारोमिता एवं तबले में शुभ महराज मैजुद रहे।

धारवाड़ की समृद्ध परंपराओं से ताल्लुक रखने वाले कुमार मर्दूर ने अपने पिता पंडित सोमनाथ मर्दुर से प्रशिक्षण लिया है, जो किराना घराने के एक प्रसिद्ध हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक हैं। जो पद्मभूषण डॉ. पुत्तराज गवईजी और पद्मभूषण डॉ. बसवराज राजगुरुजी के वरिष्ठ शिष्य थे। कुमार को किराना घराने के महान उस्ताद और स्वर्गीय सवाई गंधर्व के सबसे वरिष्ठ शिष्य स्वर्गीय डॉ पंडित फिरोज दस्तूरजी से सीखने का अवसर मिला। कुमार ने कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ से संगीत में मास्टर्स डिग्री पूरी की है। वह पूरे भारत और विदेशों में दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रहे है। वे आकाशवाणी और दूरदर्शन के माध्यम से एक स्वीकृत कलाकार हैं और उनके माध्यम से नियमित रूप से अपनी प्रस्तुति देते रहते है।

आकाशवाणी और दूरदर्शन के एक श्रेणीबद्ध कलाकार, उन्होंने 2011 में सवाई गंधर्व महोत्सव सहित देश भर में कई प्रदर्शन किए हैं। कुमार के रास्ते में आने वाली कई प्रशंसाओं में पद्मविभूषण डॉ 2010 में, मल्लिकार्जुन मंसूर युवा पुरस्कार धारवाड़, डॉ वसंतराव देशपांडे मेमोरियल युवा कलाकार पुरस्कार 2007, पुणे विद्यासागर पुरस्कार 2006। गंधर्व महाविद्यालय, पुणे से युवा गायक पुरस्कार और कई छात्र और युवा समारोहों और प्रतियोगिताओं में पुरस्कार। सुरीली आवाज से संपन्न, वे रागों की शुद्ध और सौंदर्य प्रस्तुति, क्रिस्टल स्पष्ट तान पैटर्न और लय पर कमान के लिए जाने जाते हैं।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्य प्रस्तुतियों में रामपुर घराने के प्रसिद्ध 'नियाज़ी ब्रदर्स' द्वारा कव्वाली और सूफी गीत प्रस्तुत किये गए। जिसमे नियाज़ी ब्रदर्स पारंपरिक कव्वाली से अपनी प्रस्तुति शुरू किया 'काबे मे तेरा जल्वा, काशी मे नाजारा ये घर भी हमारा वो भी हमारा' वही हजरत अमीर खुसरो का लिखा हुआ कव्वाली 'तोरी सुरत के बल्हारी निजाम' फिर उन्होने 'मन लागो यार फकिरि में' के साथ-साथ पंजाबी एवं बॉलीवुड से भी कुछ कव्वाली प्रस्तुत किया। सहयोगी कलाकारों में माजिद नियांजी और मुकर्रम नियाजी वोकल में वहीं वासिफ नियाजी ढोलक पर, विजय कुमार तबला और अनील की बोर्ड पर संगत दिया।

शाहिद नियाज़ी और सामी नियाज़ी (नियाज़ी ब्रदर्स) जो अपने संगीत के लिए विश्व स्तर पर प्रसिद्ध है एवं वे कव्वाली के रामपुर घराने की 250 साल पुरानी पारिवारिक परंपरा को जारी रखे हुए हैं। उस्ताद नियाज़ी ने कव्वाली को "रूह-ए-ग़िज़ा" के रूप में वर्णित किया है। कव्वाली 13वीं शताब्दी में भारतीय, फारसी, तुर्की और अरबी संगीत परंपराओं के श्मिश्रण से बनी। दिल्ली के सूफी संत अमीर खुसरो देहलवी जो सूफियों की चिश्ती धराने से सबंध रखते थे। कव्वाली के केंद्र में प्रेम और परमात्मा कि भक्ति होती है। दिनांक-14 अक्टूबर 2022 के सांस्कृतिक कार्यक्रम में सुबह 11:00 बजे- क्राफ्ट वर्क शॉप विद मास्टर क्राफ्ट्समैन, शाम 7:00 बजे कत्थक नृत्य 'दिव्या गोस्वामी' के द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा एवं शाम 8:00 बजे हिंदुस्तानी वोकल 'अश्विनी भीदे' कि प्रस्तुतियां होंगी।

09 अक्टूबर से 23 अक्टूबर 2022 तक चलने वाला यह फेस्टिवल लोगों के लिए एक ऐसा मंच है जहां वे शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य के जाने-माने उस्तादों द्वारा कला, संस्कृति और संगीत का बेहद करीब से अनुभव कर सकते हैं। इस फेस्टिवल में परफॉर्म करने के लिये नामचीन कलाकारों को आमंत्रित किया गया है। इस फेस्टिवल में एक क्राफ्ट्स विलेज, क्विज़ीन स्टॉल्स, एक आर्ट फेयर, फोक म्यूजिक, बॉलीवुड-स्टाइल परफॉर्मेंसेस, हेरिटेज वॉक्स, आदि होंगे। यह फेस्टिवल देश भर के लोगों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और उसके महत्व के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी प्राप्त करने का मौका देता है। फेस्टिवल का हर पहलू, जैसे कि आर्ट एक्जिबिशन, म्यूजिकल्स, फूड और हेरिटेज वॉक भारतीय धरोहर से जुड़े पारंपरिक मूल्यों को दर्शाता है।

रीच की स्थापना 1995 में देहरादून में हुई थी, तबसे रीच देहरादून में विरासत महोत्सव का आयोजन करते आ रहा है। उदेश बस यही है कि भारत की कला, संस्कृति और विरासत के मूल्यों को बचा के रखा जाए और इन सांस्कृतिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाया जाए। विरासत महोत्सव कई ग्रामीण कलाओं को पुनर्जीवित करने में सहायक रहा है जो दर्शकों के कमी के कारण विलुप्त होने के कगार पर था। विरासत हमारे गांव की परंपरा, संगीत, नृत्य, शिल्प, पेंटिंग, मूर्तिकला, रंगमंच, कहानी सुनाना, पारंपरिक व्यंजन, आदि को सहेजने एवं आधुनिक जमाने के चलन में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और इन्हीं वजह से हमारी शास्त्रीय और समकालीन कलाओं को पुणः पहचाना जाने लगा है।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक:
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष: 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा